

ليدري فيما مضى ولا في الذي
منه لم يأت من لونه يحسبها
زادك الى العتق لانه في حيا
عاش ما سعة التي انت فيها
عاش في شدة زمان مني وان
قال رضا سعة ما انتظر المخرجون بان يهزم في الاسلام بحذرة
الرسول صلعم اور وبعث بهذا الايات الامام ابو الفتح في
تفسير المنسوب اليه وشبهها الى امير المؤمنين على رضي الله عنه
شعره في الامام صلعم

انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما

ليدري فيما مضى

انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما

لدقها

انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما

انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما
انما انت ظل عرشك ما

بمنها

رست

Copy right reserved